No. of Printed Pages : 6

MES-051

M.Ed. (MASTER OF EDUCATION)

Term-End Examination

00669

December, 2019

MES-051 : PHILOSOPHICAL AND SOCIOLOGICAL PERSPECTIVES

Time : 3 hours *Maximum Weightage : 70%*

Note : *All questions are* ***compulsory****. All questions carry equal weightage.*

1. Answer the following question in about 600 words :

   Explain three types of truth with suitable examples. How do Correspondence theory and Consistency theory of truth supplement each other ? Discuss giving suitable examples.

   OR

   Discuss Swami Vivekananda's concept about knowledge. Do you think that the educational ideas of Swami Vivekananda are relevant in the present scenario ? Justify your answer with suitable examples.

2. Answer the following question in about 600 words :

Critically evaluate Paulo Freire's views regarding pedagogy of the oppressed, with special reference to current educational scenario in India.

OR

What do you understand by the process of modernization ? Discuss the role of education in modernization, with suitable examples.

3. Write short notes on any ***four*** of the following in about 150 words each :

(a) Prescriptive theory of education

(b) Aims of education according to realism

(c) Role of school as an agent of socialization

(d) Education as a commodity

(e) Marxist perspective on social stratification

(f) Rousseau's concept of negative education

4. Answer the following question in about 600 words :

What educational inequalities are currently witnessed in India ? How are these inequalities detrimental to the socio-economic development of the nation ? Discuss citing examples.

एम.एड. (शिक्षा में स्नातकोत्तर)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2019

एम.ई.एस.-051 : दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : *सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं । सभी प्रश्नों की भारिता समान है ।*

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

सत्यता के तीन प्रकारों की उचित उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए । सत्यता के समरूपता सिद्धांत एवं दृढ़ता सिद्धांत एक-दूसरे के किस प्रकार संपूरक हैं ? उचित उदाहरण देकर चर्चा कीजिए ।

अथवा

स्वामी विवेकानन्द की ज्ञान की अवधारणा के विषय में चर्चा कीजिए । क्या आप सोचते हैं कि स्वामी विवेकानन्द के शैक्षिक विचार वर्तमान परिदृश्य में प्रासंगिक हैं ? उचित उदाहरणों के माध्यम से अपने उत्तर को न्यायसंगत ठहराइए ।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

भारत के वर्तमान शिक्षण परिदृश्य के विशेष संदर्भ में पाउलो फ्रिएर के दलित शिक्षणशास्त्र सिद्धांत का समीक्षात्मक मूल्यांकन कीजिए ।

अथवा

आधुनिकीकरण की प्रक्रिया से आप क्या समझते हैं ? आधुनिकीकरण में शिक्षा की भूमिका की उचित उदाहरणों सहित चर्चा कीजिए ।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** पर लगभग 150 शब्दों प्रत्येक में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) शिक्षा का निर्देशात्मक (Prescriptive) सिद्धांत

(ख) यथार्थवाद के अनुसार शिक्षा के लक्ष्य

(ग) समाजीकरण के अभिकर्ता के रूप में विद्यालय की भूमिका

(घ) वस्तु या सामग्री के रूप में शिक्षा

(ङ) सामाजिक स्तरीकरण का मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य

(च) रूसो की नकारात्मक शिक्षा की अवधारणा

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

भारत में वर्तमान में कौन-सी शैक्षिक असमानताएँ विद्यमान हैं ? देश के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए ये असमानताएँ किस प्रकार हानिकारक हैं ? उदाहरणों द्वारा चर्चा कीजिए ।